

प्री-मैट्रिक स्कॉलरशिप

संविधान के भाग IV ("राज्य के नीति निर्देशक तत्व") का अनुच्छेद 46 विशेष रूप से, लोगों के कमजोर वर्गों के शैक्षिक और आर्थिक हितों की देखभाल के लिए राज्य के साथ जुड़ता है। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति। समान भाग का अनुच्छेद 38 (2) भी राज्य में आय में असमानताओं को कम करने और स्थिति, सुविधाओं और अवसरों में असमानता को समाप्त करने के लिए प्रयास करता है, न केवल व्यक्तियों के बीच बल्कि विभिन्न क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के समूहों में या अलग-अलग कामों में संलग्न है। व्यवसायों। उद्देश्य योजना के उद्देश्य हैं: नौवीं और दसवीं कक्षा में पढ़ने वाले अपने वाडों की शिक्षा के लिए एसटी बच्चों के माता-पिता का समर्थन करने के लिए, ताकि ड्रॉप-आउट की घटना, विशेष रूप से प्राथमिक से द्वितीयक चरण में संक्रमण में, और प्री-मैट्रिक चरण की कक्षा IX और X में एसटी बच्चों की भागीदारी में सुधार करने के लिए, ताकि वे बेहतर प्रदर्शन करें और शिक्षा के बाद के मैट्रिक चरण में प्रगति करने का बेहतर मौका हो। स्कोप इस योजना के तहत छात्रवृत्ति केवल भारत में पढ़ाई के लिए उपलब्ध होगी और राज्य / केंद्र शासित प्रदेश सरकार द्वारा प्रदान की जाएगी, जिसके लिए आवेदक यानि जहां वह अधिवासित है।

पात्रता की शर्तें छात्र अनुसूचित जनजाति का होना चाहिए उसके माता-पिता / अभिभावक की आय रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। 2.00 लाख प्रति वर्ष। उसे कोई अन्य केंद्रीय वित्त पोषित प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति नहीं मिलनी चाहिए। वह सरकारी स्कूल या सरकारी स्कूल द्वारा मान्यता प्राप्त स्कूल में अध्ययनरत एक नियमित, पूर्णकालिक छात्र होना चाहिए। या केंद्रीय / राज्य माध्यमिक शिक्षा बोर्ड। किसी भी कक्षा में अध्ययन के लिए छात्रवृत्ति केवल एक वर्ष के लिए उपलब्ध होगी। यदि किसी छात्र को एक कक्षा दोहरानी है, तो उसे उस कक्षा के लिए एक दूसरे (या बाद में) वर्ष के लिए छात्रवृत्ति नहीं मिलेगी। वार्षिक अभिभावक / अभिभावक की आय उन छात्रों को छात्रवृत्ति का भुगतान किया जाएगा जिनके माता-पिता / अभिभावकों की आय सभी स्रोतों से रु। से अधिक नहीं है। 2,00,000 / - (प्रति वर्ष केवल दो लाख रुपए)। नोट 1: जब तक माता-पिता में से कोई एक जीवित है, केवल माता-पिता की आय, जैसा भी मामला हो, सभी स्रोतों से केवल और किसी अन्य सदस्य के खाते में लिया जाना चाहिए, भले ही वे कमाई कर रहे हों। आय घोषणा के रूप में, आय इसी आधार पर घोषित की जानी है। केवल

उस मामले में जहां दोनों माता-पिता की मृत्यु हो गई है, अभिभावक की आय, जो उसकी पढ़ाई में छात्र का समर्थन कर रहा है, को लेना होगा। ऐसे छात्र जिनके माता-पिता की आय किसी एक माता-पिता की दुर्भाग्यपूर्ण मृत्यु के कारण प्रभावित होती है और फलस्वरूप योजना के तहत निर्धारित आय सीमा के भीतर आता है, छात्रवृत्ति के लिए पात्र हो जाएगा, पात्रता की अन्य शर्तों को पूरा करने के अधीन, जिसमें उस महीने से घटना घटती है। ऐसे छात्रों से छात्रवृत्ति के लिए आवेदन अनुकंपा के आधार पर, आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि समाप्त होने के बाद भी माने जा सकते हैं। नोट 2: किसी छात्र के माता-पिता द्वारा प्राप्त मकान किराया भत्ता को 'same आय' की गणना से छूट दी जाएगी यदि उसे आयकर के उद्देश्य से छूट दी गई है। नोट 3: आय प्रमाण पत्र केवल एक बार यानी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के समय लिया जाना आवश्यक है जो एक वर्ष से अधिक समय से जारी हैं।

